जय जय जय हनुमान जी | By Prity Mahajan

जय बोलो हनुमान की
जय बोलो सियाराम की
जय जय जय हनुमान की
जय जय जय सियाराम की
तुमरे मैं गुणगान करू बिगड़े काम बनाये हैं
चैत्रमास की शुक्ल पक्ष को पूरणमासी को आये हैं
जय बोलो हनुमान की
जय बोलो सियाराम की
जय जय जय हनुमान की
जय जय जय सियाराम की
तुमरे मैं गुणगान करू .....

तुमसा ना कोई निर्मल बाबा ना कोई तुम सी शक्ति
बिन तुमरे पूरी ना हो राम प्रभु सिया की भक्ति
तुमरे मैं गुणगान करू बिगड़े काम बनाये हैं
चैत्रमास की शुक्ल पक्ष को पूरणमासी को आये हैं
जय बोलो हनुमान की
जय बोलो सियाराम की
जय जय जय हनुमान की
जय जय जय सियाराम की
तुमरे मैं गुणगान करू .....

अष्टसिद्धि नौनिधि के दाता रूद्र रूप कहलाये हैं
लक्ष्मण के तुम प्राण बचाये लंका जार के आये हैं
तुमरे मैं गुणगान करू बिगड़े काम बनाये हैं
चैत्रमास की शुक्ल पक्ष को पूरणमासी को आये हैं
जय बोलो हनुमान की
जय बोलो सियाराम की
जय जय जय हनुमान की
जय जय जय सियाराम की
तुमरे मैं गुणगान करू .....

सबकी बिगड़ी बनाने वाले किस्मत मेरी संवारो ना
फँसी बीच मंझधार में नैया आके पार लगा दो ना
तुमरे मैं गुणगान करू बिगड़े काम बनाये हैं
चैत्रमास की शुक्ल पक्ष को पूरणमासी को आये हैं
जय बोलो हनुमान की
जय बोलो सियाराम की
जय जय जय हनुमान की
जय जय जय सियाराम की
तुमरे मैं गुणगान करू .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-prity-mahajan/